विवेक यात्रा

(स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रश्नोत्तरी)

लेखक

हनुमान सिंह राठौड़

प्रकाशक

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

शैक्षिक महासंघ सदन, 606/13,

कृष्णा गली नं. 9, मौजपुर, दिल्ली-110053

दूरभाष एवं फेक्स : 011-22914799

website: www.abrsm.in, www.abrsm.co.in

Email: abrsmdelhi@rediffmail.com, abrsmdelhi@gmail.com

विवेक यात्रा

(स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रश्नोत्तरी)

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

- प्रकाशन दिवस :
  विजयादशमी, विक्रम संवत् 2069, युगाब्द 5114
- अक्षर संयोजन :
  सागर कम्प्यूटर्स, जयपुर
- मुद्रक :
  पायोराईट प्रिन्ट मिडिया प्रा. लि., उदयपुर
- प्रकाशक :
  अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ

प्रकाशकीय

बिले, नरेन, नरेन्द्र, विविदिषानन्द से स्वामी विवेकानन्द के रूप में आज संसार जिनके जन्म के 150 वर्ष बाद भी उनके विचारों के प्रकाश में आलोकित हो सच्चे मानव धर्म, सनातन धर्म का पाठ पढ़कर स्वयं को धन्य मानता है। ऐसे स्वामी विवेकानन्द की जीवन यात्रा की भगिरथी में अवगाहन् कर आबाल वृद्ध विशेषकर युवा, जो वर्तमान समय के नायक हैं, सम्पूर्ण संसार को दिशा दर्शन कर नैराश्य का तिमिर समाप्त कर सकेंगे।

स्वामी विवेकानन्द के जन्म की सार्धशती वर्ष में उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर भारतीय विचारों की समृद्धता से संसार को पुनः आलोकित करने में सभी आयु वर्ग, विशेषकर किशोरवय जो कल वैचारिक प्रवासी होंगे, ऐसे सभी के लिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने अपने संगठन यात्रा की रजत जयंती वर्ष में सम्पूर्ण देश के किशोरवय के मध्य 'समर्थ भारत' प्रतियोगिता के माध्यम से स्वामी विवेकानन्द के जीवन से परिचित कराकर उनमें समृद्ध भारतीय विचारों की अंतः ज्योति जलाकर जो जगत को आलोकित करने में अतीव समर्थ हो सकें। इसी ध्येय से इसका नियोजन किया है। प्रश्नोत्तरी के रूप में होने के बाद भी स्वामी जी की जीवन यात्रा के क्रम में पुस्तक पठन करते समय हमें सातत्य दिखाई देगा, जीवन प्रसंगों से जुड़े हुए अनुभव करेंगे। इसी विशेषता के कारण पुस्तक को आद्योपांत पढ़ने की इच्छा प्रबल दिखाई देगी और यही इस पुस्तक की विशेषता है।

सौभाग्य से इस पुस्तक के विद्वान लेखक श्री हनुमान सिंह राठौड़ ने अपनी अति व्यस्तता के बावजूद शीघ्र ही इसकी रचना कर हमें इसकी पांडुलिपी उपलब्ध करा दी। एतद् हम उनके आभारी हैं। आशा है इस पुस्तक के माध्यम में किशोरवय पीढ़ी स्वामी विवेकानन्द के जीवन को पढ़कर एवं अनुकरण कर समाज परिवर्तन के संवाहक बन सकेंगे, तभी इस पुस्तक की सार्थकता अभिप्रेत होगी।

-प्रकाशन समिति

स्वामी विवेकानन्द

।। ॐ ।।

विवेक यात्रा

(स्वामी विवेकानन्द के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रश्नोत्तरी)

1. स्वामी विवेकानन्द के पूर्वजों का मूल निवास पश्चिम बंगाल के वर्द्धमान जिले के किस ग्राम में था?

उ. डेरेटोना।

2. स्वामी विवेकानन्द के उन पूर्वज का नाम क्या था जो सर्वप्रथम कोलकाता में बसे?

उ. श्री राम निधि दत्त।

3. विवेकानन्द जी के जन्म के समय उनका परिवार किस मोहल्ले में रहता था?

उ. शिमुलिया या शिमला।

4. जिस घर में स्वामी विवेकानन्द का जन्म हुआ, वह उनके परदादा ने बनवाया था। उनका नाम बताइये।

उ. श्री राम मोहन दत्त।

5. स्वामी जी के पैतृक घर में दुर्गा पूजा के पूर्व देवी को जगाने के निमित्त बने कक्ष को किस नाम से पुकारते थे?

उ. बोधन घर।

6. स्वामी विवेकानन्द के एक पूर्वज श्री दुर्गाप्रसाद ने बीस-बाईस वर्ष की आयु में सन्यास ग्रहण कर लिया था। ये स्वामी जी के रिश्ते में क्या लगते थे?

उ. दादाजी।

7. श्री दुर्गा प्रसाद दत्त की पत्नी श्यामा सुन्दरी अत्यन्त विदुषी थीं। उन्होंने एक काव्य-ग्रंथ की रचना की थी। उस ग्रंथ का नाम क्या था?

उ. गंगा भक्ति तरंगिनी।

8. स्वामी विवेकानन्द के पिताजी का नाम क्या था?

उ. श्री विश्वनाथ दत्त।

9. स्वामी विवेकानन्द की माताजी का नाम बताइये।

उ. भुवनेश्वरी देवी।

10. नौका से शिशु विश्वनाथ के गिरने पर बिना तैरना जाने भी माता नदी में कूद पड़ीं और शिशु का हाथ पकड़े जलधारा में बहने लगीं। इसे देख नाव में सवार कविराज ने माता श्यामा सुन्दरी के बाल पकड़ तैरते हुए साहस के साथ दोनों को बचा लिया। उन कविराज का नाम बताइये।

उ. कविराज उमापद गुप्त।